

दीवाली बाहर दीप जलाएं भीतर भी करें उजाला

हमारे जीवन में भी ऐसा ही हो। हमारे संकल्प, हमारी वाणी और हमारा व्यवहार दूसरों के लिए प्रकाश बनें।

किसी की एक अच्छी बात कह देना, किसी दुःखी व्यक्ति को थोड़ी हिम्मत दे देना, किसी नाराज़ व्यक्ति को प्रेम से समझ लेना- यह भी तो किसी के जीवन में दीप जलाना ही है।

दीवाली केवल उत्सव नहीं, एक सुंदर संदेश है

दीवाली हमारी भारतीय संस्कृति का बहुत सुंदर और महत्त्वपूर्ण पर्व है। भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे अलग-अलग परंपराओं और मान्यताओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी से जोड़ा जाता है, तो कहीं लक्ष्मी-पूजन और नई शुरूआत के रूप में मनाया जाता है।

हम चाहे जिस परंपरा के अनुसार दीवाली मनाएं, इसके पीछे एक भावना बहुत स्पष्ट है- अंधकार पर प्रकाश की विजय, असत्य पर सत्य की विजय और निराशा पर आशा की विजय।

दीपक हमें क्या सिखाता है?

हम दीवाली पर घर के कोने-कोने में दीपक जलाते हैं। लेकिन कभी आपने सोचा है कि दीपक ही क्यों?

क्योंकि दीपक चुपचाप जलता है और दूसरों को प्रकाश देता है। वह यह नहीं देखता कि सामने कौन है। उसका काम है- प्रकाश देना।

श्रीराम की विजय का संदेश

हमारे यहाँ दीवाली को भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने और रावण पर विजय से भी जोड़ा जाता है। अयोध्यावासियों ने अपने प्रिय राम के स्वागत में दीप जलाए। इस कथा को अगर हम अपने जीवन से जोड़ें तो एक बहुत सुंदर बात समझ में आती है।

रावण केवल बाहर नहीं है, हमारे अंदर भी है

क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष- ये हमारे अंदर के विकार हैं। तो इस दीवाली हम बाहर के रावण की कहानी सुनने के साथ अपने अंदर के रावण को भी पहचानें।

जिस दिन हमने अपने क्रोध पर विजय पाई, किसी के प्रति द्वेष समाप्त किया और अहंकार को छोड़कर नम्रता अपनाई- समझिए हमारे जीवन में भी विजय का दीप जल गया।

लक्ष्मी-पूजन और मन की स्वच्छता

दीवाली पर हम घर की सफाई करते हैं। पुराने सामान को निकालते हैं, घर को सजाते हैं और लक्ष्मी-पूजन करते हैं।

लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से एक सवाल अपने आप से पूछिए- क्या मैंने अपने मन की भी सफाई की है?

मन में पुरानी शिकायतें हैं तो उन्हें निकाल दें। किसी के प्रति नाराज़गी है तो उसे छोड़ दें। व्यर्थ विचार हैं तो उन पर फुल स्टॉप लगाएं।

क्योंकि घर साफ होने से घर सुंदर दिखता है, लेकिन मन साफ होने से पूरा जीवन सुंदर बन जाता है।

दीवाली आते ही मन अपने आप खुश हो जाता है। घर की सफाई, रंगोली, नए कपड़े, मिठाइयां, दीपों की रोशनी और अपनों के साथ मिलकर त्योहार मनाने का आनंद- यह सब मिलकर दीवाली को खास बना देता है। लेकिन जरा सोचिए, हम हर साल बाहर इतने दीप जलाते हैं, तो क्या इस बार अपने मन में भी एक दीप जला सकते हैं?

दीवाली के बाद क्या वर्ष - नई शुरूआत

दीवाली के अगले दिन अनेक भारतीय परंपराओं में नया वर्ष मनाया जाता है। यह हमें बहुत सुंदर अवसर देता है- पुराने को पीछे छोड़कर नए को अपनाने का।

तो इस नए वर्ष में हम भी कुछ नया करें।

पुराना क्रोध जाए, नई शांति आए।
पुरानी शिकायत जाए, नया प्रेम आए।
पुरानी चिंता जाए, नया विश्वास आए।
पुरानी कमज़ोरी जाए, नई शक्ति आए।

इस दीवाली एक संकल्प

आइए, इस बार दीवाली केवल घर में नहीं, अपने अंदर भी मनाएं।

परमपिता परमात्मा शिव की याद में स्वयं को अनुभव करें-"मैं आत्मा हूँ, शांत स्वरूप हूँ, पवित्र स्वरूप हूँ। मैं अपने भीतर के विकारों पर विजय प्राप्त कर रहा हूँ।"

मेरा संकल्प है- मैं अपने मन में ज्ञान और शांति का दीप जलाऊंगा। अपने पुराने नकारात्मक संस्कारों को बदलने का पुरुषार्थ करूंगा। मेरी वाणी, मेरे संकल्प और मेरा व्यवहार दूसरों के जीवन में भी खुशी और शांति का प्रकाश फैलाए।

यही हो हमारी सच्ची दीवाली- बाहर दीपों की रोशनी और भीतर दिव्य गुणों की रोशनी।



हिसार-ज्योतिपुरा(हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दो दिवसीय 'डिजिटल वेलनेस-ट्रेन द ट्रेनर्स' प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करने के पश्चात् समूह चित्र में कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.आर.काम्बोज, जिला परियोजना समन्वयक विजेन्द्र सिंह, सहायक परियोजना समन्वयक ललित कुमार, सीटीएम कार्यालय के लक्ष्मण श्योराण, राजयोगिनी ब्र.कु. रमेश दीदी, ब्र.कु. नेहा एवं ब्र.कु. निकिता।



करनाल-सेक्टर-7(हरियाणा)। 'स्ट्रेस फ्री हैप्पी लिविंग' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन द्वारा करने के पश्चात् समूह चित्र में मोटिवेशनल स्पीकर प्रो.ब्र.कु ओंकार चंद शर्मा,माउंट आबू, सांसद प्रतिनिधि कविंद्र राणा, आर्ट एंड कल्चर विंग की नेशनल कोऑर्डिनेटर राजयोगिनी ब्र.कु प्रेम दीदी तथा अन्य अतिथिगण। मौके पर उपस्थित रहे ब्र.कु शिखा, डॉ. विनोद काल्रा, ब्र.कु शिविका, ब्र.कु आरती, ब्र.कु ज्योति, ब.कु चक्षु तथा अन्य।



कुरुक्षेत्र-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के विश्व शांति धाम में तीन दिवसीय 'विहासा प्रशिक्षण' कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन द्वारा करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सरोज दीदी, ब्रह्माकुमारीज़ मेडिकल विंग के संयुक्त सचिव एवं विहासा कार्यक्रम के फैसीलिटेटर ब्र.कु. डॉ. सचिन परब, श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. करतार सिंह धीमान, सिविल अस्पताल के सीएमओ डॉ. सुखबीर सिंह, डॉ. आर. डी.शर्मा, ब्र.कु. सुप्रिया, ब.कु. राधिका तथा अन्य।



नई दिल्ली। ब्रह्माकुमारीज़ के स्पार्क विंग,केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के माध्यम एक एमओयू हस्ताक्षर करते हुए डॉ.ज्योति केसवान,निदेशक,सीसीआरवाईएन, स्पार्क विंग की अध्यक्षा ब्र.कु अम्बिका की ओर से स्पार्क विंग के राष्ट्रीय संयोजक ब.कु जीवंत। मौके पर उपस्थित रहे जोन समन्वयक,स्पार्क विंग,दिल्ली,एनसीआर ब्र.कु सरोज, ब.कु एलना, ब्र.कु डॉ. रामजयस, कोर ग्रुप मेंबर,स्पार्क विंग, ब.कु डॉ. विद्युतप्रभा,स्पार्क विंग मेंबर एवं ब.कु. डॉ. सुशीलतन्हेर।



केथल-हरियाणा। द सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी कार्यक्रम में उपस्थित बीजेपी अध्यक्ष कैलाश भगत द्वारा राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।



मनमोहिनीवन-राज.। दिव्यांगजन सेवा प्रभाग द्वारा पांच दिवसीय 'श्रवण बाधित एवं अस्थि बाधित दिव्यांगजनों की आंतरिक प्रतिभाओं की खोज' विषय पर आयोजित सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए अंतर्राष्ट्रीय पैरा तैराक और पद्मश्री सत्येंद्र सिंह लोहिया, अंतर्राष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी अजय यादव, पंजाब जोन निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी,चंडीगढ़, ब.कु. डॉ. सतीश गुप्ता तथा अन्य।



आबू रोड-तपोवन(राज.)। युवा तथा ग्राम विकास प्रभाग द्वारा "उठो जागत के वास्ते" प्रोजेक्ट का पोस्टर दिखाकर उद्घाटन करते हुए आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के पूर्व मुख्य न्यायधीश ईश्वरैया जी, राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,यूथ विंग की जोनल कोऑर्डिनेटर, ब.कु.जितेंद्र,मुख्यालय यूथ विंग कोऑर्डिनेटर, बद्री विशाल तिवारी,लखनऊ, असिस्टेंट डायरेक्टर एग्रीकल्चर तपोवन में ग्राम विकास प्रोजेक्ट के संयोजक ब्र.कु.चंद्रेश, कनेक्टिंग ड्रीम संस्थान से मेघा जी, अमित टुटेजा एवं ब.कु. जीतू,माउंट आबू।



नई दिल्ली-लोधी रोड। एनबीसीसी,इंडिया लिमिटेड,भारत सरकार की महारत्न कंपनी में 'योग एक लाभ अनेक' विषयक गोष्ठी कराने के उपरांत समूह चित्र में ब्र.कु. पीयूष, आदित्य पालीवाल,कार्यकारी निदेशक तथा अन्य।